

महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने का बीड़ा सभी लोग उठाएं: कुलाधिपति

कानपुर। उच्च शिक्षा में युवाओं और विशेषकर महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने का बीड़ा सभी को उठाना चाहिए। अभी केवल 26 प्रतिशत युवा ही उच्च शिक्षा प्राप्त करते हैं जिसे 2030 तक 50 प्रतिशत तक पहुंचाना है। यह बात उत्तर प्रदेश की राज्यपाल और कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने बुधवार को छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय के वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई सभागार में 40 वें दीक्षांत समारोह में कही।

केजी से पीजी तक का हो कनेक्ट कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने सभी पदक और उपाधि प्राप्तकर्ताओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि पढ़ाई, नवाचार और अन्य गतिविधियों को करने वाले सभी पदक विजेता हैं।

उन्होंने कहा कि बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए, अनुसंधान, नवाचार जरूरी के लिए प्रेरित करना आवश्यक है। केजी (किंडर गार्डन) टू पीजी (पोस्ट ग्रेजुएशन) प्रोग्राम को बढ़ावा दिया जाए,



जिससे युवा शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में आगे बढ़ें। जिन्हें पदक प्राप्त हुए उन्हें भी बधाई, जो नहीं पा सके उनके लिए भी शुभकामनाएं, कड़ी

मेहनत करे और समाज के विकास में योगदान दे। युवाओं को नेतृत्व के साथ भारत के विकास का स्वप्न देखना होगा। पांच गांव ही नहीं पूरे जनपद

में हो शैक्षिक विकासकुलाधिपति ने विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए पांच गांवों के शैक्षिक विकास पर संतुष्टि जताई। मंच से ही उन्होंने जिले के सभी प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि यह सुनिश्चित करना उनका काम है कि सभी गांवों में शैक्षिक विकास हो सके। इसके लिए युवाओं को अपने-अपने गांवों में वहां की समस्याओं को सामने लाना होगा। जिससे यह जाना जा सके कि आखिर कहां पर समस्या है, इसे सभी को मिल कर सुलझाना होगा। यह तय किया जाए की सभी बच्चों की शिक्षा के लिए साधन उपलब्ध कराए जाएं। स्वस्थ नारी सशक्त समाज के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि नारियों को पढ़ाई, नवाचार और अनुसंधान के क्षेत्र में आगे लाने का कार्य किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में नारियों की भागीदारी पहले की तुलना में काफी बढ़ी है। कुलाधिपति ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के

जन्मदिन से महात्मा गांधी के जन्म दिवस तक देश में सेवा पखवाड़ा मनाया जाता है। इसमें गांव, बस्तियों, मोहल्लों कस्बों में जाकर सेवा कार्य करें। उन्होंने छात्रों और युवाओं को जागरूक किया। उन्होंने कहा कि आपकी जिम्मेदारी है बस्तियों, झोपड़ियों में अभाव के कारण पढ़ाई ना कर पाने वाले छोटे बच्चों को पढ़ाई के प्रति प्रेरित करें। समारोह में कुलपति ने सभी उपाधि प्राप्तकर्ताओं को दीक्षोपदेश दिया और उन्हें शपथ दिलाई। राज्यपाल ने बटन दबाकर सभी छात्रों की डिग्री डिजिटलॉकर पर अपलोड कराई। इसी के साथ आफरा बानो और अंकित बाबू की डिग्री डिजिटलॉकर से डाउनलोड करके दिखाई भी गई। इसके बाद राज्यपाल ने सभी पदक विजेता विद्यार्थियों को डिग्री और पदक देकर सम्मानित किया। इसके बाद बच्चों ने पर्यावरण गीत से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

59 विद्यार्थियों को कुलाधिपति स्वर्ण, रजत, कांस्य समेत मिले 97 पदक, 75 शोधार्थियों को मिली पीएचडी उपाधि में दो तिहाई महिलाएं कोमल पर पदकों की बारिश, बेटियों का रहा दबदबा

01 लाख से अधिक विद्यार्थियों की डिग्रियां सीएसजेएमयू ने की जारी

कानपुर। छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय के वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई सभागार में 40 वें दीक्षांत समारोह में कोमल कमल समेत 59 पदक विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। सीएसजेएमयू का 40 वां दीक्षांत समारोह वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई प्रेक्षागृह में शोभायात्रा के साथ शुरू हुआ। वैदिक मंत्रोच्चार के बाद कार्यक्रम की शुरुआत वंदे मातरम् गीत के साथ हुई।

केजी से पीजी तक का हो कनेक्ट कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने सभी पदक और उपाधि प्राप्तकर्ताओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि पढ़ाई, नवाचार और अन्य गतिविधियों को करने वाले सभी पदक विजेता हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए, अनुसंधान, नवाचार जरूरी के लिए प्रेरित करना आवश्यक है। केजी (किंडर गार्डन) टू पीजी (पोस्ट ग्रेजुएशन) प्रोग्राम को बढ़ावा दिया जाए, जिससे युवा शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में आगे बढ़ें। जिन्हें पदक प्राप्त हुए उन्हें भी बधाई, जो नहीं पा सके उनके लिए भी शुभकामनाएं, कड़ी मेहनत करे और समाज के विकास में योगदान दे। युवाओं को नेतृत्व के साथ भारत के विकास का स्वप्न देखना होगा। पांच गांव ही नहीं पूरे जनपद में हो शैक्षिक विकासकुलाधिपति ने विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए पांच गांवों के शैक्षिक विकास पर संतुष्टि जताई। मंच से ही उन्होंने जिले के सभी प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि यह सुनिश्चित करना उनका काम है कि सभी गांवों में शैक्षिक विकास हो सके। इसके लिए युवाओं को अपने-अपने गांवों में वहां की समस्याओं को सामने लाना होगा। जिससे यह जाना जा सके कि आखिर कहां पर समस्या है, इसे सभी को मिल कर सुलझाना होगा। यह तय किया जाए की सभी बच्चों की शिक्षा के लिए साधन उपलब्ध कराए जाएं। स्वस्थ नारी सशक्त समाज के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि नारियों को पढ़ाई, नवाचार और



दीक्षांत समारोह में कोमल कमल को सम्मानित करती कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ।

गांवों मोहल्लों और मलिन बस्तियों की करें सफाई : कुलाधिपति प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन से महात्मा गांधी के जन्म दिवस तक देश में सेवा पखवाड़ा मनाया जाता है। इसमें गांव, बस्तियों, मोहल्लों कस्बों में जाकर सेवा कार्य करें। उन्होंने छात्रों और युवाओं को जागरूक किया। उन्होंने कहा कि आपकी जिम्मेदारी है बस्तियों, झोपड़ियों में अभाव के कारण पढ़ाई ना कर पाने वाले छोटे बच्चों को पढ़ाई के प्रति प्रेरित करें। समारोह में कुलपति ने सभी उपाधि प्राप्तकर्ताओं को दीक्षोपदेश दिया और उन्हें शपथ दिलाई।

अनुसंधान के क्षेत्र में आगे लाने का कार्य किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में नारियों की भागीदारी पहले की तुलना में काफी बढ़ी है राज्यपाल ने बटन दबाकर सभी छात्रों की डिग्री डिजिटलॉकर पर अपलोड कराई। इसी के साथ आफरा बानो और अंकित बाबू की डिग्री डिजिटलॉकर से डाउनलोड करके दिखाई भी गई। इसके बाद राज्यपाल ने सभी पदक विजेता विद्यार्थियों को डिग्री और पदक देकर सम्मानित किया। इसके बाद बच्चों ने पर्यावरण गीत से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. समीर वी. कामत ने स्नातक स्तर की पढ़ाई को परिवर्तनकारी बताया। उन्होंने कहा कि

डीआरडीओ देश की रक्षा के साथ उसके विकास में भी बड़ा योगदान दे रहा है। उन्होंने हाइपरसोनिक मिसाइल अनुसंधान, एआई-आधारित अनुकूली प्रणालियों और साइबर प्रौद्योगिकियों समेत डीआरडीओ के 15 शैक्षणिक केंद्रों पर प्रकाश डाला। कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक ने कुलाधिपति और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के सम्मुख विश्वविद्यालय की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि आपकी प्रेरणा से विश्वविद्यालय उत्तरोत्तर वृद्धि कर रहा है। कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक ने विश्वविद्यालय में शत प्रतिशत कक्षाएं और 75 प्रतिशत उपस्थिति की अनिवार्यता के पालन किए जाने की बात कही। प्रो. पाठक ने बताया कि इस बार के दीक्षांत में छात्राओं ने मेडल

आंकड़ों में छात्राओं की बढ़त इस बार भी कायम

विवि के दीक्षांत समारोह में इस बार कुल 1,02,536 विद्यार्थियों की डिग्रियां डिजिटलॉकर पर अपलोड की गई। इनमें 56,993 छात्राएं (55.58 प्रतिशत) और 45,543 छात्र (44.42 प्रतिशत) शामिल हैं। परिसर स्तर पर भी 2,653 विद्यार्थियों में से 1,351 छात्राएं (50.92 प्रतिशत) और 1,302 छात्र (49.08 प्रतिशत) हैं। संबद्ध महाविद्यालयों से पास आउट हुए 99,808 छात्रों में से 55,592 महिलाएं और 44,216 पुरुष हैं। आंकड़े साफ दर्शाते हैं कि सीएसजेएमयू में महिलाओं की भागीदारी अब शिक्षा का नया चेहरा गढ़ रही है।

पारंपरिक कश्मीरी शिल्प जैसे सोज़नी कढ़ाई, कानी शॉल, और पेपर माशे को संरक्षित करने एवं विश्व स्तर पर पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने 10,000 से अधिक महिलाओं और युवाओं को प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाया है, जिससे कौशल विकास और रोजगार सृजन को बढ़ावा मिला है। उनके कार्य को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सराहा गया है, और राष्ट्रीय हस्तशिल्प पुरस्कार, नारी शक्ति पुरस्कार से सम्मानित भी किया गया है। राज्यपाल ने दी विवि को स्पোর্ट्स कॉम्प्लेक्स की सौगात कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने नवनिर्मित एकलव्य क्रीड़ा संकुल का उद्घाटन किया। प्रकाशित करना है, यह समझ होना महत्वपूर्ण है।

अत्याधुनिक डिफेंस तकनीक से लैस होगा भारत : डॉ. कामत

कानपुर। 2028 तक भारत की सेना स्वदेशी हाइपरसोनिक मिसाइल, न्यूक्लियर सबमरीन, लेजर वेपंस, एआई बेस्ड ड्रोन, कुशा (एयर डिफेंस सिस्टम) जैसी अत्याधुनिक डिफेंस तकनीक से लैस होगा। रक्षा क्षेत्र में भारत जल्द ही अमेरिका को भी टक्कर देने में सक्षम होगा।

वर्तमान में हमारा देश अमेरिका, चीन, रूस के बाद डिफेंस के क्षेत्र में चौथी बड़ी ताकत बन चुका है। यह बात डीआरडीओ (रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन) के चेयरमैन डॉ. समीर वी कामत ने कही। बतौर मुख्य अतिथि सीएसजेएमयू के दीक्षांत समारोह में शामिल होने आए डॉ. समीर वी कामत ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि वर्तमान में डीआरडीओ नेक्स्ट जनरेशन के वेपंस और डिफेंस से जुड़ी तकनीक विकसित कर रहा है। डिफेंस क्षेत्र में भारत की दूसरे देशों पर निर्भरता अब काफी कम हो जाएगी। ऑपरेशनसिंदूर में भारत की सफलता ने दुनिया को उसकी ताकत का अंदाजा कराया। वहीं, कई नई चुनौतियां भी बताई, जिस पर काम चल रहा है। डिफेंस में अत्याधुनिक तकनीक



को शामिल करने के लिए पांच लैब स्थापित की गई हैं, जहां रिसर्च चल रही है। बेंगलुरु में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, चेन्नई में क्वांटम टेक्नोलॉजी, कोलकाता में एसिमेट्रिक टेक्नोलॉजी, मुंबई में क्वांटम टेक्नोलॉजी में और हैदराबाद में स्मार्ट मैटेरियल्स में अनुसंधान चल रहा है। डॉ. कामत ने बताया कि ऑपरेशनसिंदूर में भारत के डी-4 (ड्रोन, डिटेक्ट, डेटर एंड डेस्ट्रॉय) सिस्टम और रूस के एस-400 ने दुश्मनों के हर हमले को

बेअसर कर दिया था। 2028 तक भारत के पास भी एस-400 की तरह स्वदेशी कुशा एयर डिफेंस सिस्टम होगा जो तीन लेयर में काम करेगा। डॉ. समीर वी कामत ने बताया कि भारत लेजर वेपंस में बेहतर काम कर रहा है। वर्तमान में दो केवी और पांच केवी के लेजर वेपंस हैं। इसी साल 30 केवी का लेजर वेपन भी बनकर तैयार हो जाएगा। 2028 तक 100 केवी लेजर वेपंस भारत के पास होंगे। अभी यह सिर्फ अमेरिका के पास है।

मानव जीवन को सफल बनाना वास्तविक शिक्षा

कानपुर। उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि शिक्षा वह है जो ज्ञान और संस्कार देकर स्वावलंबी बनाए। सिर्फ डिग्री महत्वपूर्ण नहीं बल्कि छात्र अपने अंदर चेतना का प्रमाण जागृत करें। छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद के बारे में छात्रों को पढ़ना चाहिए। आगे उन्होंने कहा कि शिक्षा की व्यवस्था आपको डिग्री दे सकती है पर उसको उत्कृष्ट सिर्फ देना आपका काम है।

डिग्री केवल कागज का टुकड़ा नहीं बल्कि उज्ज्वल भविष्य का संकेतक : रजनी तिवारी देश को विकसित बनाने में युवाओं की भागीदारी बेहद जरूरी है। डिग्री मात्र कागज का टुकड़ा नहीं बल्कि सुनहरे भविष्य का संकेतक भी है। ये बातें उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने कहीं। राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल को धन्यवाद देते हुए उन्होंने कहा कि उनकी प्रेरणा एवं मार्गदर्शन से उच्च शिक्षा के क्षेत्र में यह विश्वविद्यालय रोज नए नए आयाम स्थापित कर रहा है। नैक ए++ रैंकिंग मिलने पर



उन्होंने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह उनके मार्गदर्शन एवं विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों की अथक मेहनत का परिणाम है। कुलपति प्रो. पाठक ने कुलाधिपति और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के सम्मुख विश्वविद्यालय की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि आपकी प्रेरणा से विश्वविद्यालय उत्तरोत्तर वृद्धि कर रहा है।

कुलपति प्रो. पाठक ने विश्वविद्यालय में शत प्रतिशत कक्षाएं और 75 प्रतिशत उपस्थिति की अनिवार्यता के पालन किए जाने की बात कही। प्रो. पाठक ने बताया कि इस बार के दीक्षांत में छात्राओं ने मेडल से पीएचडी की डिग्री तक हर क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन किया है। विवि परिसर से लेकर सम्बद्ध महाविद्यालयों तक हर श्रेणी में छात्राएं आगे हैं।

दीक्षांत समारोह में शिक्षकों को भी मिला सम्मान

कानपुर। विवि के छह शिक्षकों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए शिक्षक गुणवत्ता पुरस्कार दिया गया। डॉ. प्रवीण भाई पटेल, डॉ. प्रवीण कटियार, डॉ. मोहित कुमार, डॉ. श्वेता पांडेय, डॉ. अनुराधा कलानी और डॉ. संदेश गुप्ता को सम्मान मिला। साथ ही विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा लिखित 11 पुस्तकों का विमोचन किया गया। रिसोर्स को फ्यूल करने के लिए लाइब्रेरी का बहुत महत्व : डॉ. श्वेता पांडेय उच्च शिक्षा और रिसर्च के क्षेत्र में संसाधनों को फ्यूल करने के लिए पुस्तकालय का बहुत महत्व है। यह बातें छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय की उप-पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. श्वेता पांडेय ने कहीं। शोधगंगा पोर्टल को भली भांति संचालित करने एवं छह से ज्यादा रिसर्च पेपर स्कोपस एवं साइंस डाटा बेस क्यूवन और क्यूटू श्रेणी में पब्लिश होने पर उन्हें शिक्षक गुणवत्ता अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि गुणात्मक मैट्रिक्स को समझना एवं उन्हें कहां प्रकाशित करना है, यह समझ होना महत्वपूर्ण है।



इससे पहले लक्ष्मी मित्तल सूचना एवं प्रौद्योगिकी संस्थान में बेस्ट टीचर का अवॉर्ड भी प्राप्त हुआ। बच्चों को संदेश देते हुए उन्होंने कहा कि गुणवत्ता में कमी नहीं होनी चाहिए भले ही संख्या थोड़ी कम हो। विज्ञान से ही सम्भव होगी देश की तरक्की : डॉ. अनुराधा, डीन प्रोजेक्ट विकसित भारत की तरक्की में विज्ञान का बहुत बड़ा योगदान है। बच्चे विज्ञान के क्षेत्र में काम करके देश का नाम रोशन करें। ये बातें

शिक्षक गुणवत्ता पुरस्कार से सम्मानित छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय की डीन प्रोजेक्ट डॉ. अनुराधा कलानी ने कहीं। शोध के क्षेत्र में क्यूवन में उनके चार अनुरूपी लेख छपे जिनके 4000 से ज्यादा साइटेशन हैं। उनके मार्गदर्शन में एक अंतरराष्ट्रीय शोध भी सम्पन्न हुआ एवं मेडिकल क्षेत्र में मधुमेह रोग में घाव भरने पर प्रभावी दवा ऑक्सिप्लो का निर्माण हुआ।

दीक्षांत की झलकियां



राज्यपाल ने दी विवि को स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की सौगात

कानपुर । कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने नवनिर्मित एकलव्य क्रीड़ा संकुल का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० विनय कुमार पाठक एवं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी शशिकान्त खांडेकर उपस्थित रहे। कुलाधिपति ने अपने उद्बोधन में खिलाड़ियों को नियमित रूप से प्राप्त: और सायं दोनों समय पर खेलने के लिये प्रेरित किया और पढ़ाई के साथ-साथ खेलों को भी जारी रखने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि बीमारियों से बचने के लिए खेल या अन्य शारीरिक गतिविधियां अति आवश्यक है। खिलाड़ियों को सलाह देते हुए कहा कि आप सभी को मोबाईल ऑनलाइन गेमिंग से दूर रहकर खेलों के मैदान में ज्यादा से ज्यादा समय व्यतीत करना चाहिए।

नकारात्मकता से दूर रहना चाहिए और सकारात्मकता को अपनाना चाहिए। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय की सुविधाओं की सराहना करते हुए सुझाव दिया कि विश्वविद्यालय के इस क्रीड़ा संकुल को अपने आस-पास के प्राइमरी एवं सेकेन्ड्री विद्यालयों को उपयोग के लिए दिया जाए

एआर/वीआरसिमुलेशन लैब का भी हुआ उद्घाटन

कानपुर । कुलाधिपति द्वारा सुपर कंप्यूटिंग हब तथा एआर/वीआर सिमुलेशन लैब जैसी तकनीकी परियोजनाओं का भी उद्घाटन किया गया ।। साथ ही योग केंद्र के नवीनीकरण भवन, टाइप-4 आवास का नवीनीकरण, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्प्यूटिकेशन भवन का विस्तार, यूआईईटी एबी भवन का विस्तार, स्वर्ण जयंती छात्रावास का विस्तार, टाइप-2 तथा टाइप-3 आवास का नवीनीकरण, अनुभावनात्मक वैज्ञानिक अन्वेषण हेतु एआर-वीआर सिमुलेशन प्रयोगशाला का उद्घाटन, विवि परिसर के सभी भवनों में फायर फाइटिंग कार्य का शिलान्यास, एकलव्य क्रीड़ा संकुल का उद्घाटन, स्कूल ऑफ आर्ट्स एंड ह्यूमनिटीज के तृतीय तल का विस्तार, हाई मास्क लाइट का भी शिलान्यास किया गया । **प्राइमरी स्कूलों के बच्चों को भी सम्मान :** समारोह में होरा कछार, सुनौदा, ईश्वरीगंज, गबडुहा, बैकुंठपुर गांवों के प्राइमरी स्कूलों में कक्षा समूहवार हुई प्रतियोगिताओं के अंतिम चरण के विजेताओं को भी सम्मानित किया जाएगा। साथ ही दो विद्यालयों प्राथमिक विद्यालय मसानपुर बालक, एवं कंपोजिट स्कूल मंधना प्रथम में टेक्निकल अपग्रेडेशन के तहत स्मार्ट पैनल उपलब्ध कराए जाएंगे।

प्रधानमंत्री का जीवन गरीबों की सेवा को समर्पित

कानपुर । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय स्थित वीरगंगा रानी लक्ष्मीबाई प्रेक्षागृह में भव्य समारोह आयोजित हुआ।

इसमें टीबी मुक्त अभियान, आंगनबाड़ी सशक्तिकरण, सर्वाइकल कैसर से बचाव हेतु टीकाकरण सहित अन्य लोक कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को लाभान्वित एवं सम्मानित किया गया। समारोह में सांसद देवेन्द्र सिंह भोले, सांसद रमेश अवस्थी, विधायक नीलिमा कटियार, विश्वविद्यालय के वीसी विनय कुमार पाठक, जिलाधिकारी कानपुर नगर जितेंद्र प्रताप सिंह, जिलाधिकारी कानपुर देहात कपिल सिंह,



कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल फीता काटकर उद्घाटन करती हुई ।

ताकि छात्रों को इसका लाभ मिल सके।

उन्होंने शिक्षकों एवं प्रशिक्षकों को सलाह देते हुए कहा कि आप सभी को खेलों में महिलाओं को प्रोत्साहित करना चाहिए, जिससे सशक्त नारी और सशक्त परिवार का निर्माण हो सके। उन्होंने विश्वविद्यालय के द्वारा निर्धन खिलाड़ियों को प्रोत्साहित कर दी जा रही निशुल्क ट्रेनिंग की

सुविधा की सराहना की। खिलाड़ियों को भी सम्मानित कुलाधिपति द्वारा सीनियर नेशनल लेवल बॉक्सिंग कॉम्पिटिशन इपशिता विक्रम – बॉक्सिंग एवं ऑल इंडिया यूनिवर्सिटीज रेसलिंग चैंपियनशिप में पदक प्राप्त करने वाले अजय, रेसलिंग, को भी प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

टीकाकरण कराने वाली दस किशोरियों को किया सम्मानित

सम्मान

कानपुर । समारोह में सर्वाइकल कैसर से बचाव हेतु टीकाकरण कराने वाली दस किशोरियों को मंच से प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। माननीय राज्यपाल की प्रेरणा से हाल ही में जनपद की 300 किशोरियों को एचपीवी वैक्सीन लगाई गई है। साथ ही विश्वविद्यालय ने 110 छात्राओं को एचपीवी वैक्सीन डोनेट किया है।

नून नदी के जीर्णोद्धार में उत्कृष्ट कार्य करने वाली पांच महिलाओं को भी राज्यपाल ने सम्मानित किया। इसके साथ ही प्रदेश के 300 आंगनबाड़ी केंद्रों और कानपुर देहात के 200 आंगनबाड़ी केंद्रों को प्री-स्कूल किट व मेडिकल किट प्रदान की गई। टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत 750 मरीजों को पोषण पोटली दी गई। स्वामी विवेकानंद योजना के अंतर्गत 700 छात्राओं को टेबलेट मिले। इसके अलावा आयुष्मान कार्ड, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के ऋण स्वीकृति पत्र, पीएम सूर्य घर योजना के प्रमाण पत्र, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के पत्र और सीएम युवा उद्यमी अभियान के अंतर्गत ई-ऑटो का वितरण किया

गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी कानपुर नगर श्री जितेंद्र प्रताप सिंह और सीडीओ कानपुर नगर श्रीमती दीक्षा जैन को छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय के 40वें दीक्षांत समारोह के अवसर पर जनपद के आंगनबाड़ी केंद्रों को साधन-संपन्न बनाने हेतु जिला प्रशासन के माध्यम से आंगनबाड़ी किट उपलब्ध कराने व सर्वाइकल कैसर से बचाव हेतु स्कूली छात्राओं को निःशुल्क एचपीवी टीकाकरण तथा सरकार द्वारा संचालित विभिन्न लाभार्थीपरक योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से पहुंचाने में अनुकरणीय योगदान के लिए माननीय राज्यपाल ने प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। जिलाधिकारी ने माननीय राज्यपाल को ओडीओपी उत्पाद लेदर पर कार्विंग (चमड़े पर नक्काशी) और स्वयं सहायता समूह द्वारा तैयार खान-पान से संबंधित किट भेंट की।

इससे पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रगीत से हुआ। आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चों ने फैशन शो सहित विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं और नून नदी के जीर्णोद्धार से संबंधित लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया।

टॉपर्स टॉक

कोमल बोली- मुझे बनना है प्लेबैक सिंगर

विवि का सर्वोच्च कुलाधिपति स्वर्ण समेत छह पदकों से सम्मानित कोमल कमल प्लेबैक सिंगर बनना चाहती हैं। वे अपने सुरीले गीतों से पूरी दुनिया को अपना फैस बनाना चाहती हैं। सीएसजेएमयू के स्कूल स्कूल ऑफ क्रिएटिव एंड परफार्मिंग आर्ट्स की एमए म्यूजिक की छात्रा कोमल कमल ने 90.52 फीसदी अंक प्राप्त कर विवि में टॉप किया है। अभी नेट की तैयारी कर रही हैं। कोमल के पिता नरेश चंद्र कमल प्राइवेट नौकरी में हैं और मां तारा कमल गृहिणी हैं।



आज बाबा होते तो बहुत खुश होते : आयुषी



सीएसजेएमयू के दीक्षांत समारोह में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की टॉपर आयुषी मिश्रा को स्व. अतुल माहेश्वरी पत्रकारिता स्मारक स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। आयुषी ने 78.26 फीसदी अंकों के साथ टॉप किया है। वह शिक्षक बनना चाहती हैं। आयुषी ने कहा कि उनके बाबा हरी मोहन मिश्रा होते तो आज बहुत खुश होते।

प्रोफेसर बनने की ख्वाहिश : जीत

डीडब्ल्यूटी कॉलेज के छात्र जीत शर्मा को शिक्षा संकाय के परास्नातक स्तर पर सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी के लिए कुलपति स्वर्ण, कुलाधिपति कांस्य समेत चार पदक से सम्मानित किया गया। स्नातक में कुलाधिपति स्वर्ण व कुलपति स्वर्ण पाने वाले जीत को परास्नातक में भी कुलपति स्वर्ण पदक मिला है। जीत शर्मा ने बताया कि उनकी मां ने बचपन से ही शिक्षक बनने के लिए प्रेरित किया। अभी पीएचडी कर रहा हूं। डिग्री कॉलेज में प्रोफेसर बनने का लक्ष्य है।



यूपीएससी में अच्छा प्रदर्शन करूंगी: मुस्कान



हरदोई की रहने वाली सीएसजेएमयू के स्कूल ऑफ आर्ट्स, ह्यूमनिटीज एंड सोशल साइंसेज की छात्रा मुस्कान ने 91.60 फीसदी अंक प्राप्त कर उच्चतर सामाजिक विज्ञान संकाय में टॉप किया है। मुस्कान ने बताया कि जब कक्षा-9 में थी, तब पिता पिटू सिंह लद्दाख में सेना में तैनात थे। इसी दौरान उनकी एक एक्सीडेंट में मौत हो गई थी। इसके बाद बैंक में कार्यरत मां मीरा वर्मा ने ही मेरा और छोटे भाई का पालन-पोषण किया। मुस्कान ने कहा कि मुझ लीडरशिप क्वालिटी का गुण का है, इसलिए निश्चित रूप से यूपीएससी में अच्छा प्रदर्शन करूंगी।

उद्यम कर करना चाहती है समाज की सेवा

सीएसजेएमयू के दीक्षांत समारोह में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की छात्रा एकता त्रिवेदी को रजत पदक देकर सम्मानित किया गया। एकता के पिता राम मोहन त्रिवेदी रेलवे से लोको पायलट के पद से सेवानिवृत्त हैं। एकता की माता रामा त्रिवेदी ग्रहणी है। वही एकता को रजत पदक मिलने पर माता-पिता ने खुशी जाहिर की। और कहा कि बेटी की इस उपलब्धी पर उन्हें गर्व है। एकता का कहना है कि वह उद्यमी बन कर समाज में सेवा करना चाहती हैं।



आईएसबनकर देश सेवा करना चाहती हैं श्रुति



सीएसजेएमयू के स्कूल ऑफ लाइफ साइंस एंड बायोटेक्नोलॉजी की छात्रा श्रुति ओमर ने जीव विज्ञान संकाय में 90.28 फीसदी अंक प्राप्त कर टॉप किया है। उनका सपना सिविल सर्विसेज में चयनित होकर समाज की सेवा करना है। उनके पिता अरुण प्रकाश ओमर बिजनेसमैन और मां सविता ओमर गृहिणी हैं। सिविल सर्विसेज की तैयारी शुरू कर दी है। श्रुति ने बताया कि कनौज से 12वीं की पढ़ाई की थी, जिसमें 87 फीसदी अंक मिले थे

लॉप्रोफेसर बनना चाहती हैं काजल

सीएसजेएमयू के अटल बिहारी वाजपेयी स्कूल ऑफ लीगल स्टडीज की छात्रा काजल सिंह ने विधि संकाय में 81.37 फीसदी अंक साथ टॉप किया है। काजल सिंह लॉ की प्रोफेसर बनना चाहती हैं। लखनऊ की रहने वाली काजल के पिता संतोष कुमार सिंह यूपी पुलिस में और मां सुमन सिंह होम मेकर हैं। अभी वह नेट की तैयारी कर ही हैं





छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के छात्रों द्वारा कौशल क्षमता वर्धन हेतु प्रकाशित सप्ताहिक ई-समाचार पत्र कैम्पस न्यूज। संरक्षक- प्रोफेसर विनय कुमार पाठक (कुलपति, सीएसजेएमयू), मार्गदर्शक- डॉ. विशाल शर्मा (विभागाध्यक्ष, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग), परामर्शदाता- डॉ. हरिओम कुमार (सहायक आचार्य, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग), सागर कनौजिया (मीडिया इंस्ट्रक्टर, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग), छात्र संपादक- इंद्रेश तिवारी (एमएजेएमसी), पृष्ठ सज्जाकार- हरि ओम तिवारी (एमएजेएमसी) अधिक जानकारी के लिए हमारे सोशल मीडिया अकाउंट पर सम्पर्क करें।